

DPN 6482

क) म्ये सफू

मे /

ME SAPHU

ख) उग्रताराया स्तोत्र

UGRATĀRĀYĀ STOTRA

Title :

Run. No. 7207

Cat. No.

Micro. No.

Subject मे १ स्तोत्र Song with Hyman Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 22X9

Folios 8

Lines (in a page) 5/6

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 890

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Material : palmleaf / paper / thyaasaphu ✓

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / ink

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ नमः श्री उग्रताला देवी जगत जननी कामदेव माता, सुखी लीला कालिनी, सह प्रभानु लेज प्रकाशित.
सूर (सूक्त) सुयम (सूक्त) विहपिनी ॥ १ ॥

Illustr. श्रीमसेनयाग म्ये नं कु मे /
प्रतापमल्लेया मे १

Remark (सिद्धि नारायण) मे
This MS contains also @ Pratap Malla's
Siddhi narayana's song one each
के मने.

समाप्ति वाक्य / colophon

इति श्री ॐ नमो शिवाय समाप्ति ॥

कौशाजी

॥ कसत्रवचनसु निक्कासत्रहाडा ॥ कसत्रवचनसुनवातननश
डा ॥ थडावचननदकयलउयकाल ॥ निच ॥ धत्रमदनदा नमसात्र
॥ यूवयात्रयनयहननयनान ॥ सुज ॥ टिप्रिगि ॥ तिसत्रागव
त्रन ॥ धनकननौ उवननकात्रमतिडा ॥ ॥ प्ररुसनिथ्यधिन
नमकातिडा ॥ नत्रयगियत्रगायसलयाव ॥ हिनउयदसुहि
अदयिआसत्रन ॥ ॥ ॥

म न स काम

(को नाग)

(को नाग)

(नाग॥ कनडा॥) अत्र गतसि या कसदि का कसद ह्यु गत्र लध तो नत ह्य
 डोस वास या ह्य सोद॥ अस के सत्र न॥ अस तवलं ग वन माया दस का मे
 ॥ ति त्रिवाति ना क ना क था न व वा ह्य सो द॥ ति रो ग न त टा सिया व नामा
 न ह्य सलि न ग न क थ डो स क ड ध न या ह्य सो द॥ ति न सू व न न क्का या दि
 थ द दि थ ह्य द न स त ग्य न व र नि लै न न या ह्य सो द॥  ॥ नाग॥ वा क
 गा डा॥ अ अस न द ह्य नि ह्य आ सा इ ठ ता या सा लि नि॥ ह अ अस न स द य क द या

त ह॥ ह्या त ह ता स॥ थ डो का न त स थ स ह्य ह्य ठ स यो क द ल या ख ड नै त द
 स न स स ला डा॥ स या ह्य सा ल क क थ क थ न व ला ल थ दा डा ह्या य मि सा स
 ग त्रि स द्या ला॥ अ व स न द ह्य न ह्य आ सा इ ता या डा न य न वा न तो स द द वा क
 थ का डा॥ न ल व ति व ल ता द स ल या व च न ड ड डा ख डा क स ता डा ह्य ज न ४॥
 (नाग॥ नाट॥) मा ध व द रू रू या व च न व सि सा॥ डो ल स त्रि ह्य ख व ल डा ल व डी र न
 हि न॥ स दि न दे व न द नै वा न॥ ध न स न क ह ना य न न स स सा स न क न स

(को नाग)

20

१५
१०
५
०
० cmts. 5 10 15 20
१ सुवह्वयं न शीही मन्त्रा जानमसु ॥ २ ॥ दंतवी नम या नि नि नि ग
२ यत्र ध शान्तेना धं नमामि ॥ ३ ॥ का धंध न हित दय सा ना धं
स न न वा दू यथ ममुं दं तं त्वं वा दू यत कि न कू क हि म मू ली धू खा स न
न वा दू वि ज्ञा य मा ना शी ही मन्त्रा जा ध न ध ना र्था का यं म वा ह म
ना य त द न वा दू वं ॥ ४ ॥ नम सु शी ही मन्त्रा जा यं ज ध मं ग रं का रा
द या मि (६) ज जि त्र का स्वा मि य र म् ग र म् शी ही मन्त्रा जानमसु ॥ ५

॥ वि तं ज न म हा द यं सु दं नि त्वं न न धू खा स न व ध नं कू ना या त कि
मा हा य त व त तु श किं वि त ना मा हा मि य स्व यं आ दू म त्रि त ही व मं ।
ॐ ॐ लं हि मं क त वे त्री ना धं त्वं वं द यी दू कू शू स र व य द स शी हि मि ॥
रा जा न म सु ॥ ७ ॥ दं न श रू ध भा हि त् रु ग वा न धू खा स न सां त ॥
कं वि वि क्षे त र यं वि द्या हि ता य मा हा न द्या हि ता या ल लि । कृ या
ध न ना रं क कू स दू रं वा नि ज न धा न य त स दं य स तं म ह मा शी हि

म नो ज्ञानमस्तु ॥ १ ॥ नमस्तुही मे देवाय गजहस्तं माहावतं विष्णो न नग
 प्रविप्रविप्रविप्रं मानं सर्वनिखनवंदु न विप्रधूस्याम नरद्वेनं जोस
 यासयति वासं नैरु नथ तपि साचसातं कं मुति दूयति दविदुं शा
 ह न संधुलि त्रिदुव न व्यापितं व्याधु न्यं रु रं क नं काऊ पा न ब्रह्मा
 नि ह्य ह्य वा ह्य नि वा स नै क्का ग नं म ह किं ज न न ह रु मा हा प्रियं संय
 म ग म न वि न ग ज ह रुं क नं लि व ज ह न ह न सं दा ख ज य न ध म ह

समूदावकायंष्टु कृष्णध्वजसद्विर्गं ॥ ६ ॥ श्रुतिप्रोक्तगतावाता नसमायुः ॥ ७ ॥

[illegible]

स नारय ४॥ य तैम आर्थे त क । स स न
 ठा य प्रविष्ट गति स ॥ नदि यानि
 ॥ न भाव द्वा यानि मा ध र्मा यानि मा
 न स ४ स चे वृ द्वा वा प्रि स ल ग म र्थ य
 ल क य । ग र्हे ॥ ॐ वि म ल ग र्हे व र्ण

समस्त धैर्यस्य निदानास्तैर्द्वैतस्योत्तमः

[illegible]

अभीष्टमनुभाकिं वैशीबः निरुः

सलनि सुयत सुनयत वलयमथनीः सवेद वयलयुजित विनिर विनिर समकाव
 लाकिमयया। सुयान सुयन विधुदः सवेतथायतविशुदः सुवेयाविशुदः सवेय
 यविधुधषीः वृ नृधननिधु नृधनरुमरुनृधनः चात्रयसवेदकानयुलयर
 सांथी वयध नृयकमनकिनिर वनदी कल्याडं ययविशुदः साधयसुद्व २ मज २
 रनरु नृर मंगल विधुदः यजितमधीः खनीलिः वनरु कजित निखनः समकाव नाकि
 नय ययुय र विधुदः सवेकय साजितना। समधुदः कनरु सवेद वयलय माक वषीः गयनयः
 ॥ ईं दी ता ना नय २ मा सवे मला कुनागविनाकि नः नरु २ वृ नृरु नृरु कलिर दू निर सवे
 यदर क वषी विगतल म नृरु सुद २ म नृरु मनीनक ॥ नागविनाकि नः ना नय २ म नावति

यमली॥ मायु नो॥ मीन वती॥ मनीन स

॥ ईं नमा रंगी वं रं ज्ञायमदायति ॥ ॥ सजाय ॥ नवं मया धनव
 मिंसं मय रंगी वं रं ॥ नृ वृ मदायानुहारय ॥ सवेत स मी कानादि शा वक्षम। वज
 जका व वज वा म वं धान ४ व ३ २ र निर गवति गज सैला धनि कदि सैय नली।
 क नृरु व नृरु क नमि व वक्तु द व स मी म नदि दि वा द कनः मृ मृ न व वषी नृरि व
 कु नृ ना २ म म सवेत विदा ननिः व न वनिः जय र वि जय २ सवेत सवे काने सिध
 कु म ४ ॥ ॥ रं वि या सा धयः म ७ नं द्या नय। सवे विद्यु जयारु नि जय फनीः जय वति
 ति वृ र ग वति स मय नया न। सवेत था ग न द द या नृ दृ व व ला कय मा सय निवा

येतामि ॥ सा यथा द ॥ यति स ना ता रुच

15

10

5

प्राणा सर्वसत्त्वानां ॐ वागमहादा नृलरायवः सत्त्वा सीयात्र मूलनयः पात्रयना
 यस्व महा राययः स नृयस नृ सत्त्वा व नृलवि सा धनिः स मका का न मलु
 ली व स द्वी यगता विगमः स ली व स्व धनिः स व मं केली व म द्वेः सत्त्वा म
 केली व सा धनिः कि निर स वीयाय वि स द्वे न प्रा व गत जय दितिः तला का धि
 धि न स्वा दा स व तथा गता नां मू द्वी लिख कं स्वा दा स व तथा गत मू द य स द्वे स्वा
 दा स व तथा गत नृ द या धि धि न स्वा दा स व तथा गत म न या सि धि स्वा दा
 ॐ नृ ॐ नृ वति ॐ नृ व वला कि न स्वा दा ॥ वृक्ष वृक्ष धु वि न स्वा दा ॥ स द स्व न व दि
 न य कि ना य स्वा दा ॥ वृक्ष न वृक्ष य लि वृक्ष य लि व न वि या धि नि न स्वा दा ॥ धृ न ना

रञ्जरमदानयञ्जनकासगानिह

नमो नमो कोरा कोरा

वायस्वादाशावि नृकायस्वादाशावि नृयाकायस्वादाशा चतु मदा नाजनमरुतायस्वा
 दाशाजमायस्वादाशाजमयूजितायस्वादाः व नृणायस्वादाशा मा नृनायस्वादाशा मा
 दा मा नृनायस्वादाशा जग्रयस्वादाशा वायुस्वादाशानागविनाकि न स्वादाशा द नम
 ह्यस्वादाशा ज कगह्यस्वादाशा नाक्षसगह्यस्वादाशा न च च गह्यगह्यस्वादा
 दाशा ज मृगह्यस्वादाशा न नृगह्य ४ स्वादाशा कि न न गह्यस्वादाशा म दा नम
 गह्य ४ स्वादाशा म नृगह्यस्वादाशा ज म नृगह्यस्वादाशा स च य द ह्य ४ स्वादा
 स च य न ह्य ४ स्वादाशा स च यि ह्य ४ स्वादाशा स च यि स्मा ल ह्य ४ स्वादा ॥ स च कृ ता ह्य
 ह्य ४ स्वादा ॥ स च य न ह्य ४ स्वादा ॥ स च कट यू त ह्य ४ स्वादा ॥ स च इ ह्य ४ स्वादा ॥ ३

अहमिभरहनेष्टा नमिस्तो द्यामितिमानि